उत्तराखण्ड मुक्त विष्वविद्यालय, हल्द्वानी
महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ: जुलाई, 2018

विश्वविद्यालय के सहायक प्रध्यापक द्वारा Inter Staff Exchange Fellowship के तहत थाईलैंड में मूक पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ़ कंप्यूटर साइंस एवं आईटी में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत डॉ. जीतेंद्र पाण्डे का चयन Asian Association of Open Universities (AAOU) की प्रतिष्ठित Inter-University Staff Exchange Fellowship हेतु दिनांक 01 जुलाई, 2018 से 30 जुलाई, 2018 तक Sukhothai Thammathirat Open University, Bangpood, Pakkret, Nonthabur, Thailand विश्वविद्यालय में हुआ| इस फेलोशिप के अंतर्गत डॉ जीतेंद्र पाण्डे Sukhothai Thammathirat Open University में रहकर A comparative study of OER practices at Uttarakhand Open University(UOU), India & Sukhothai Thammathirat Open University (STOU), Thailand विषय में शोध किया गया|

डॉ जितेन्द्र पांडे प्रशिक्षण देते हुए

इन्टरनेट की पहुँच बड़ने के साथ एज्युकेशन रिसोर्सेज की उपलब्धता बढती गयी तथा इसी के साथ ही MIT, USA में ओपन कोर्सवेयर मूवमेंट की शुरुवात हुई| यह मूवमेंट इतना लोकप्रिय हुआ की वर्ष 2002 में UNESCO ने इम्पैक्ट ऑफ़ ओपन कोर्सवेयर फॉर हायर एज्युकेशन इन डेवलपिंग कन्ट्रीज (the impact of open courseware for higher education) फोरम में ओपन एज्युकेशनल रिसोर्सेज (Open Educational Resources) शब्द ईजाद किया| Open

Educational Resources को टीचिंग –लर्निंग प्रोसेस को और अधिक सम्रध बनाए जाने के लिए किया गया था किन्तु कुछ देशों में इस परम्परागत पाठ्यपुस्तकों के विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया जाने लगा|

Open Educational Resources(OER) वह टीचिंग, लर्निंग या रिसर्च में उपयोग होने वाली वो सामग्री है जो या तो पब्लिक डोमेन में उपलब्ध हो या जिन्हें ओपन लाइसेंस के अंतर्गत रिलीज़ किया गया हो। सामान्यतः हम यह समाज लेते हैं कि इन्टरनेट में जो भी सामग्री उपलब्ध है उसे किसी भी प्रयोजन के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है| किन्तु ऐसा नहीं है केवल वे ही सामग्री इस्तेमाल की जा सकती है जो की या तो पब्लिक डोमेन में हो या फिर ओपन लाइसेंस के अंतर्गत प्रकाशित की गयी हो। जो भी सामग्री ओपन लाइसेंस के अंतर्गत प्रकाशित हो उसे कोई भी कानूनी रूप से और स्वतंत्र रूप से प्रतिलिपि बना सकता है, अनुकूलन का उपयोग कर सकता है और उन्हें फिर से साझा कर सकता है।

OER को इस्तेमाल करने के कई फ़ायदे है, खासकर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए। विद्यार्थियों हेतु अध्ययन के किसी विशेष क्षेत्र के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए वे लागत आसन एवं सस्ता साधन हैं। छात्रों को प्रदान किए गए संसाधनों को, सामग्री को प्रासंगिक और आकर्षक बनाने के लिए अपनी सीखने की ज़रूरतों के अनुरूप सर्वोत्तम रूप से अनुकूलित किया जा सकता है। कुछ मामलों में, छात्रों के लिए ओईआर के विकास / सुधार में योगदान करने के लिए विकल्प हो सकते हैं और ओईआर विकास और सुधार चक्र में योगदान दे सकते हैं। शिक्षकों के लिए, यह मौजूदा शिक्षा सामग्री बनाने और निर्माण करके समय बचाने के लिए एक विकल्प है। कई मामलों में, शिक्षाविद एक विशेष प्रसंग से सम्बंधित OER चुनने में सक्षम होते हैं और उसको इस्तेमाल करके अपना स्वयं का ओईआर बना सकते है। ओईआर दुनिया के अन्य शिक्षाविदों के साथ रिसर्च एवं कोलैबोरेशन का अवसर प्रदान कर सकता है।

ओईआर विभिन्न प्रकार में उपलब्ध होते है जिसमें वीडियो, ग्रंथ, आरेख, सिमुलेशन इत्यादि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त यह ऑनलाइन पाठ्यपुस्तकोंके रूप में भी उपलब्ध हैं जिसे कोर या पूरक टेक्स्ट के रूप में उपयोग किया जा सकता है।

प्रशिक्षण के दौरान डॉ0 जितेन्द्र पांडे व अन्य

इस एक महीने के फ़ेलोशिप प्रोग्राम के अंतर्गत डॉ. जीतेंद्र पाण्डे ने विश्वविद्यालय स्तर पर sukhothai Thamathirat National Open University से OER संसाधन साझा करने की संभावनाओं का आकलन किया| इसके अतिरिक्त वहां के शिक्षकों को OER के बारे में ट्रेनिंग दी गयी। थाईलैंड में ऑनलाइन लर्निंग के लिए वातावरण बेहद अनुकूल है क्यूंकि वहां पर इन्टरनेट सस्ता है और उसकी पहँच आम लोगों तक बहुत ज्यादा है| थाईलैंड में पढ़ाई बहुत महंगी है| सभी विश्वविद्यालयों का प्रयास है कि शिक्षा का दायरा आम जन तक बड़ाने के लिए इसकी कीमत को कम किया जाये, जिसके लिए OER बहुत उपयोगी साबित हो सकते हैं| थाईलैंड में ऑनलाइन लर्निंग के लिए वातावरण बेहद अनुकूल है क्यूंकि वहां पर इन्टरनेट सस्ता है और उसकी पहुंच आम लोगो तक बहुत ज्यादा है। इसलिए वहां के विश्वविद्यालय MOOC(Massive Open Online Courses) के जरिये ऑनलाइन कोर्स शुरू करना चाहती जिसके लिए वह उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय का सहयोग चहती है| उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय इस क्षेत्र में काफी आगे है जो अपने ईलर्निंग पोर्टल elearning.uou.ac.in द्वारा निशुल्क ऑनलाइन कोर्स उपलब्ध कराता है|

प्रवेश

दिनांक 1 जून, 2018 से ग्रीष्मकालीन सत्र 2018 के द्वितीय व तृतीय वर्ष के पाठ्यक्रमों के प्रवेश प्रारम्भ किये जा चुके है। दिनांक 31 जुलाई, 2018 तक 2,341 विद्यार्थियों द्वारा प्रवेश लिया गया है। UGC, DEB द्वारा आकादमिक सत्र 2018-19 से संचालित किये जाने वाले पाठ्यक्रमों की मान्यता हेतु देश के विभिन्न मुक्त विश्वविद्यालयों व दूरस्थ शिक्षण संस्थानों से आवेदन मांगे गये थे जिसे विश्वविद्यालय द्वारा 2018-19 से संचालित किये जाने वाले पाठ्यक्रमों की मान्यता हेतु गत माह आवेदन कर दिया गया है।

अकादमिक वर्ष 2108-19 से शुरू किये जाने वाले पाठ्यक्रमों की मान्यता हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा आयोजित इंटरफ़ेस मीटिंग में विश्वविद्यालय द्वारा अपने प्रस्तावित पाठ्यक्रमों के सम्बन्ध में प्रस्तुतीकरण किया गया | इस बैठक में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा वांछित सभी अभिलेख भी उपलब्ध कराये गए | तदोपरांत दिनांक व दिनांक को विश्वविद्यालय द्वारा पाठ्यक्रमों की मान्यता हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली को अनुस्मारक भी भेजे गए ताकि समय पर विद्यार्थियों के प्रवेश को सुनिश्चित किया जा सके|

परीक्षा

विश्वविद्यालय की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा- जून 2018 में **दिनांक 01 जून 2018 से 28 जून 2018 तक 22 दिवसों में, प्रदेश के 60 परीक्षा केन्द्रों में आयोजित की गई**। परीक्षाओं की समस्त उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य पूर्ण करा लिया गया है। परीक्षाफल निर्माण में स्कैनिंग का कार्य गतिमान है।

माह जुलाई में 143 मूल उपाधियॉ, 28 अन्तरिम उपाधि/अनापत्ति प्रमाणपत्र/सत्यापन वाहक/डाक से प्रेषित की गई।

राष्ट्रीय अकादमिक डिपॉजिटरी **(NAD)** पोर्टल

विश्वविद्यालय द्वारा उपाधियों की प्रविष्ठि व सत्यापन हेतु राष्ट्रीय अकादमिक डिपॉजिटरी (NAD) पोर्टल में Maker व Checker का निर्माण किया जा चुका है।

विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई उपाधियों में से लगभग 7,123 उपाधियॉ सत्यापन हेतु NAD टेस्ट पोर्टल पर अपलोड की जा चुकी हैं।

पीएच.डी. पाठ्यक्रम (मौखिकी)

- पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विभाग के शोधार्थी **सुश्री आरती भट्ट** (नामांकन संख्या 12029356) के शोध शीर्षक **"उत्तराखण्ड में महिलाओं की मीडिया आदतों का अध्ययन (टिहरी जनपद के विषेष संदर्भ में)"** दिनांक 09 जुलाई 2018 को अपराह्न 12:30 बजे विश्वविद्यालय सभागार में आयोजित की गई। मौखिकी हेतु आन्तरिक परीक्षक प्रो. गोविन्द सिंह, शोध निर्देशक, पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विद्याशाखा एवं बाह्य परीक्षक प्रो0 ए0 आर0 डंगवाल हेमवती नन्दन बहुगुणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, श्रीनगर (गढवाल) उत्तराखण्ड बाह्य परीक्षक के रूप में उपस्थित रहे।

- पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विभाग के शोधार्थी **श्री षिव प्रसाद जोषी** (नामांकन संख्या 13041365) के शोध शीर्षक **"उच्च षिक्षारत छात्रों की राजनीतिक चेतना पर सोषल मीडिया का प्रभाव" विषय पर मौखिक परीक्षा** दिनांक 10 जुलाई 2018 को अपराह्न 12:30 बजे विश्वविद्यालय सभागार में आयोजित की गई। मौखिकी हेतु प्रो. शम्भू नाथ सिंह, निदेशक, पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विद्याशाखा इग्नू, दिल्ली बाह्य परीक्षक के रूप में उपस्थित रहे।

पाठ्य सामग्री वितरण

विश्वविद्यालय में पंजीकृत छात्रों को अध्ययन सामग्री प्रदान की जाती है। विश्वविद्यालय के शीतकालीन सत्र 2018–18 में पंजीकृत छात्रों को प्रेषित अध्ययन सामग्री का विवरण निम्नवत् है–

Book Distribution Status Previous Session (2018-18-Winter)

Total Students	19015
Regional Centre	**Issued Books**
11 Dehradun	4428
12 Roorkee	2215
14 Pauri	1229
15 Uttar Kashi	788
16 Haldwani	2769
17 Ranikhet	1175
18 Pithoragarh	455
19 Bageshwar	239
Books Packed/Dispatched For	13298

उपर्युक्त तालिका में विभिन्न पाठ्यक्रमों में, 08 क्षेत्रीय केन्द्रों में सेमेस्टर आधारित पाठ्यक्रमों में पंजीकृत विद्यार्थियों को प्रेषित की जाने वाली अध्ययन सामग्री का विवरण उल्लिखित है। वार्षिक पाठ्यक्रमों में पंजीकृत समस्त छात्रों को वितरित की जाने वाली अध्ययन सामग्री प्रेषण कार्य माह अगस्त में पूर्ण कर लिया जायेगा।

पाठ्य सामग्री निर्माण

विश्वविद्यालय में संचालित किए जा रहे पाठ्यक्रमों की स्व अध्ययन सामग्री के इकाई लेखन व संपादन का कार्य किया जा रहा है। निम्न पाठ्यक्रमों की स्वअध्ययन सामग्री के निर्माण व संपादन के कार्य का विवरण निम्न है-

विज्ञान विद्याशाखा-

रसायन शास्त्र (बी0एस0सी0, द्वितीय वर्ष) के इकाई लेखन कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा संपादन कार्य प्रगति पर है।

भौतिकी (बी0एस0सी0, द्वितीय वर्ष) के इकाई लेखन कार्य 90 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है तथा संपादन कार्य प्रगति पर है।

जीव विज्ञान (बी0एस0सी0, द्वितीय वर्ष) के इकाई लेखन कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा संपादन कार्य प्रगति पर है।

वनस्पति विज्ञान (बी0एस0सी0, द्वितीय वर्ष) के इकाई लेखन कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा संपादन कार्य प्रगति पर है।

भूगोल (बी0ए0/ बी0एस0सी0, द्वितीय वर्ष) के इकाई लेखन कार्य 99 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है तथा संपादन कार्य प्रगति पर है।

इसके अतिरिक्त समाज कार्य, हिन्दी व अंग्रेजी विषय पाठ्यक्रम की अध्ययन सामग्री के संपादन का कार्य किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय की अन्य विद्याशाखाओं द्वारा संचालित परास्नातक पाठ्यक्रमों जिसमें-

इतिहास विषय के द्वितीय वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन का कार्य 75 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है ।

लोक प्रशासन के द्वितीय वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन का कार्य 75 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है।

समाज शास्त्र के द्वितीय वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन का कार्य 85 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है

होटल प्रबंध के द्वितीय वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन का कार्य 99 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है।

प्रबंध अध्ययन विभाग के एम0बी0ए0 पाठ्यक्रम के चतुर्थ सेमेस्टर की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन कार्य 75 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है।

वाणिज्य विभाग के बी0कॉम0 पाठ्यक्रम के द्वितीय वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा एम0 कॉम0 पाठ्यक्रम के द्वितीय वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन कार्य 95 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है।

राजनीति विज्ञान के द्वितीय वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन का कार्य 75 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है।

विश्वविद्यालय की विद्याशाखाओं द्वारा संचालित स्नातक पाठ्यक्रमों जिसमें-

गृह विज्ञान विषय के द्वितीय वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा संपादन कार्य किया जा रहा है।

सहज संस्कृत बोध पाठ्यक्रम

विश्वविद्यालय द्वारा सहज संस्कृत बोध पाठ्यक्रम को प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की सुविधा हेतु ऑन-लाईन कर दिया गया है। यह पाठ्यक्रम प्राचीन भाषाओं को बढ़ावा देने व युवाओं को संस्कृत भाषा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने हेतु प्रारम्भ किया गया है। इसके अतिरिक्त इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत युवाओं को स्वरोजगार में सहायता प्राप्त हो सकेगी।

इस पाठ्यक्रम में पंजीकृत होने वाले छात्रों की सुविधा हेतु विडियों लेक्चर भी तैयार किये जा रहे है ताकि छात्रों द्वारा पाठ्यक्रम से सम्बन्धित महत्वपूर्ण विषयों को सुगमता से समझा जा सके।

हैलो हल्द्वानी से जून माह में प्रसारित कार्यक्रम

हैलो हल्द्वानी ने जुलाई माह में कई सारे कार्यक्रमों का निर्माण किया। इसके अलावा रोजाना ज्यादा से ज्यादा लाइव प्रसारण किए जाने की नई नीति पर अमल किया गया, जिसके तहत रिकार्डेड कार्यक्रम कम व सजीव प्रसारण ज्यादा किए गए। इसके अलावा इस माह में निम्न अतिथियों का आगमन हैलो हल्द्वानी के स्टूडियो मे हुआ जिनसे उनके विषय पर या अन्य किसी समसामयिक विषय पर चर्चा की गई।

(1) ज्ञान पर सबका अधिकार है- प्रो. नागेश्वर राव
प्रोग्राम-मुलाकात, मेहमान- प्रो. नागेश्वर राव (कुलपति इंदिरा गांधी मुक्त विवि नई दिल्ली), वार्ताकार- भूपेन सिंह, वार्ता का विषय- दूरस्थ शिक्षा

प्रो0 नागेश्वर राव से वार्ता करते डॉ0 भुपेन सिंह

(2) नेपाल के विकास में बड़ी भूमिका निभा रहे कम्युनिटी रेडियो- भुवन जोशी
प्रोग्राम-आधी आबादी की आवाज, मेहमान- भुवन जोशी (ओनर कम्युनिटी रेडियो पश्चिम टूड़े धनगढ़ी नेपाल), वार्ताकार- सुनीता भास्कर, वार्ता का विषय- कम्युनिटी रेडियो व नेपाल
(3) प्रौढ़ शिक्षा में क ख ग ही नहीं महिला अधिकार भी सिखाए- गोमा

प्रोग्राम- आधी आबादी की आवाज, मेहमान- गोमा आचार्य जोशी (महिला एक्टविस्ट नेपाल), वार्ताकार- सुनीता भास्कर, वार्ता का विषय- नेपाल में शिक्षा व महिलाओं की स्थिति

(4) मेरी मां ने एक प्रश्न मेरे मन में हमेशा बोया कि वो भगत सिंह को जानें- प्रो. जगमोहन

प्रोग्राम- मुलाकात, मेहमान- प्रो. जगमोहन सिंह (भगत सिंह के भांजे), वार्ताकार- भूपेन सिंह
वार्ता का विषय- भगत सिंह का जीवन

(5) पंचायत आरक्षण ने महिलाओं को दिखाई नई राह – माया चिलवाल

प्रोग्राम- आधी आबादी की आवाज. मेहमान- माया चिलवाल, (उत्तराखंड महिला मंच व मैत्री संगठन से जुड़ी सामाजिक कार्यकर्ता) वार्ताकार- सुनीता भास्कर, वार्ता का विषय- आरक्षण से महिलाओं की बदलती स्थिति

श्रीमती माया चिलवाल से वार्ता करती संपादक सुनीता भास्कर

(6) जागरूकता ही माहमारी की रोकथाम का उपाय- डा. के सी पांडे

प्रोग्राम-हैल्दी हल्द्वानी, मेहमान- डा. के सी पांडे, वार्ताकार- सुनीता भास्कर
वार्ता का विषय-पब्लिक हैल्थ के जरिये कैसे करें लोगों को जागरूक

(7) पुरानी सोच की बेड़ियां तोड़नी होंगी- मंजू पांडे

प्रोग्राम-मुलाकात, मेहमान- मंजू पांडे (राष्ट्रीय स्तर की जिमनास्ट), वार्ताकार- भूपेन सिहं
वार्ता का विषय- जिमनास्ट महिलाओं के लिए कितना चुनौतीपूर्ण

(8) अकाउंटिगं जरुरी- सरोज आनंद जोशी

प्रोग्राम-मुलाकात, मेहमान- सरोज आनंद जोशी (चार्टेड अकाउंटेंट व रंगकर्मी), वार्ताकार- भूपेन सिंह
वार्ता का विषय- टैक्स के बारे में जानकारी

(9) युवाओं को थियेटर का टेस्ट जगाने में युगमंच का ब्ड़ा योगदान- देवेन्द्र

प्रोग्राम- यंग हल्द्वानी, मेहमान- देवेन्द्र पांडे, वार्ताकार- अनिल नैलवाल
वार्ता का विषय- रंगमंच के योगदान में युगमंच की भूमिका

(10) संस्कृति को संजोने का काम कर रहा क्रिएटिव उत्तराखंड- दयाल पांडे

प्रोग्राम-मुलाकात, मेहमान- दयाल पाण्डे (ओनर क्रिएटिव उत्तराखंड, सामाजिक कार्यकर्ता) वार्ताकार- भूपेन सिंह

(11) प्रोग्राम- बातों ही बातों में, वार्ताकार- अनिल नैलवाल व योगेश जोशी

(12) रंगमंच के लिए जड़ों से जुड़े रहना बहुत जरुरी- अमेय विक्रम

प्रोग्राम- यंग हल्द्वानी, मेहमान-अमेय विक्रम, वार्ताकार- सुनीता भास्कर वार्ता का विषय- रंगमंच और अपना गांव

(13) पहाड़ के युवाओँ को स्किल्ड करने की जरूरत- दीपक जोशी

प्रोग्राम- शिक्षा का पहिया, मेहमान- दीपक जोशी व मंजू राणा, वार्ताकार- सुनीता भास्कर

वार्ता विषय- उद्योगों में स्किल्ड लेबर कितना जरूरी

(14) आटोमोबाइल सेक्टर कभी खत्म नहीं होगा- ललित फुलारा

प्रोग्राम- बातों ही बातों में, मेहमान- ललित फुलारा, उषा फुलारा (प्रधानमंत्री कौशल योजना से जुड़े)

वार्ताकार- सुनीता भास्कर, विषय- आटोमोबाइल सेक्टर व स्किल्ड लेवर

(15) मशहूर गीतकार व कवि गोपालदास नीरज की स्मृति में रेडियो रिपोर्ट

रिपोर्ट- सुनीता भास्कर व योगेश जोशी

(16) कुमाउंनी में रह विधा में हो रहा काम - दामोदर जोशी

प्रोग्राम- साहित्य से दोस्ती, मेहमान- दामोदर जोशी देवाशुं (संपादक कुमगढ़ पत्रिका), वार्ताकार- सुनीता भास्कर

वार्ता का विषय- कुमाउंनी भाषा व संस्कृति को संरक्षित व बढ़ाने में कुमगढ़ पत्रिका की भूमिका

(17) नई पेंशन योजना बहुत कारगर- बेलवाल

प्रोग्राम- चर्चा में, मेहमान- कैलाश चन्द्र बेलवाल (सहायक लेखाधिकारी वित्त विभाग देहरादून)

वार्ताकार- के आर भट्ट, वार्ता का विषय- नेशनल पेंशन स्कीम

(18) लोगों तक पोषक तत्वों वाला खाना पहुंचना जरूरी- प्रीति बोहरा

प्रोग्राम- हैल्दी हल्द्वानी, मेहमान- प्रीति बोहरा (उत्तराखंड मुक्त विवि गृह विज्ञान विभाग) वार्ताकार- सुनीता भास्कर

वार्ता का विषय- खाद्य व पोषण सुरक्षा

(हैलो हल्द्वानी से सम्बन्धित कार्यक्रमों की विस्तृत रिपोर्ट संलग्न है। संलग्नक- क)

शोध एवं अकादमिक गतिविधियॉ

- डॉ0 शशांक शुक्ला, सहायक प्राध्यापक, हिन्दी द्वारा लिखित शोध पत्र प्रतिष्ठित व्यंग्य पत्रिका 'व्यंग्य यात्रा' के अप्रैल जून-2018 अंक में 'नियुक्तिआय नम:' शीर्षक नामक शोध आलेख प्रकाशित, ISSN 2348-4209
- डॉ0 शशांक शुक्ला, सहायक प्राध्यापक, हिन्दी द्वारा प्रेमचंद जयंती के अवसर पर महादेवी वर्मा सृजन पीठ, कुमाऊॅ विश्वविद्यालय रामगढ़, नैनीताल एवं उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान के संयुक्त तत्त्वावधान में द्विदिवसीय राष्ट्रीय- संगोष्ठी में 'सेवासदन: कुछ समस्याएं' शीर्षक शोध आलेख का प्रस्तुतीकरण, [30-31 मार्च, 2018]
- श्री राजेन्द्र सिंह क्वीरा, अकादमिक परामर्शदाता, द्वारा 'पत्रकारिता: संभावनाएं एवं चुनौतियां' शीर्षक, पत्रिका The Sameeksha (समीक्षा) Global: A Multidisciplinary Journal in Hindi में प्रकाशित हुआ (ISSN:2581-401X, Vol.2, Issue 1-2018)

अन्य गतिविधियॉ

- दिनांक 17 जुलाई, 2018 को प्रोफेसर नागेश्वर राव का इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के कुलपति नियुक्त होने पर प्रोफेसर डी0 के0 नौड़ियाल, कुलपति, कुमांऊ विश्वविद्यालय को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति का अतिरिक्त प्रभार माननीय श्री राज्यपाल/कुलाधिपति महोदय द्वारा दिया गया।
- दिनांक 3/7/2018 से 23/7/2018 तक विश्वविद्यालय के डॉ0 दिनेश कुमार, सहायक प्राध्यापक, शिक्षाशास्त्र द्वारा दिल्ली विश्वविद्यलय, दिल्ली में आयोजित रिफ्रेशर कोर्स में प्रतिभाग किया गया।
- दिनांक 3/7/2018 से 23/7/2018 तक विश्वविद्यालय के डॉ0 जटाशंकर आर0 तिवारी, सहायक प्रध्यापक, होटल प्रबंध द्वारा अकादमिक स्टॉफ कॉलेज, गोरखपुर, विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित रिफ्रेशर कोर्स में प्रतिभाग किया गया।
- दिनांक 7/8/2018 से 29/8/2018 तक विश्वविद्यालय के डॉ0 सुमित प्रसाद, सहायक प्रध्यापक, प्रबंध, डॉ0 हरीश चन्द्र जोशी, सहायक प्राध्यापक, वानिकी एवं सुश्री ममता कुमारी,

सहायक प्राध्यापक, शिक्षाशास्त्र द्वारा UGC, HRDC कुमांऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित आयोजित रिफ्रेशर कोर्स में प्रतिभाग किया जा रहा है।

- दूरस्थ शिक्षा के प्रचार–प्रसार को लेकर परिसर देहरादून द्वारा गढ़वाल क्षेत्र के उत्तरकाशी एवं टिहरी जनपद को जोड़ने के लिये WhatsApp ग्रुप बनाया गया है इस ग्रुप के माध्यम से विश्वविद्यालय की समस्त शैक्षिक गतिविधियों को विद्यार्थियों तक पहुँचाने का भी कार्य किया जा रहा है।
- माह जुलाई, 2018 में उपरोक्त प्रमुख कार्यकलापों के अतिरिक्त वार्षिक/सेमेस्टर पाठ्यक्रमों के परीक्षा परिणाम घोषित किये जाने से सम्बन्धित कार्य (उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन, टेबूलेशन इत्यादि), नये सत्र 2018–19 के प्रवेश की तैयारियां, शिक्षकों द्वारा ईकाई लेखन, पाठ्यक्रमों में सुधार/संशोधन, अध्ययन सामग्री/पुस्तकों की संरचना/प्रकाशन आदि कार्य किये जा रहे है। विद्यार्थियों तक पुस्तकों एवं पाठ्य सामग्री की आपूर्ति, सूचना का अधिकार कानून के अन्तर्गत सूचनाओं की आपूर्ति, विद्यार्थियों को वांछित प्रमाणपत्रों का अविलम्ब निर्गमन आदि कार्य संपन्न किये गये।

(विश्वविद्यालय की गतिविधियों से संबंधित मीडिया कवरेज संलग्न है- ख)